समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास जनवरी,2021

कक्षा 9 -10

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

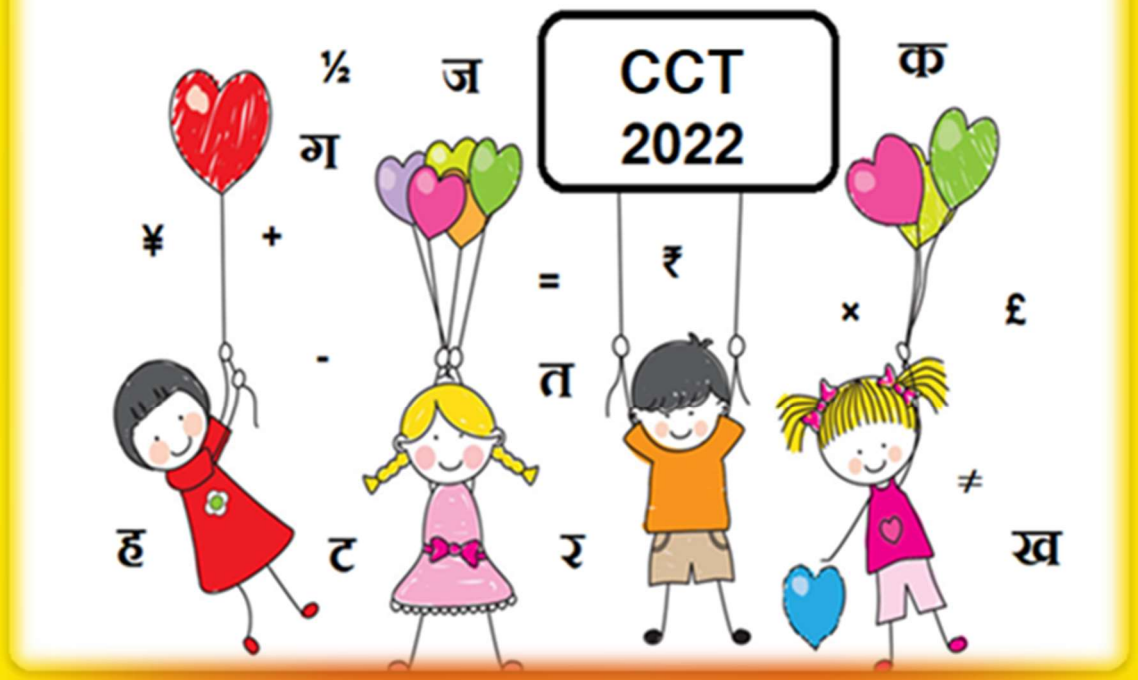

संकलित – राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्या श्रीमती रेणु पाठक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

प्राचार्या श्रीमती रेणु गुप्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़।
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़।
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़।
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़।
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़।
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़।
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़।
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़।
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़।
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़।
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़।

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	कक्षा 9-10			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	कंप्यूटर युग	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	4
2	जलवायु परिवर्तन	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	7

प्रतिमान- 1

पाठ्य पुस्तक : क्षितिज भाग-1	कक्षा : 9
प्रकार : निबंध	पाठ का नाम : उपभोक्तावाद की संस्कृति
सीखने के प्रतिफल : 903 पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं। 906. देखी-सनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओ/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। 918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।	

उप विषय : कंप्यूटर युग

वर्तमान युग कंप्यूटर युग है। यदि भारतवर्ष पर नजर दौड़ा कर देखें तो हम पाएंगे कि जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, डाकखाने, बड़े-बड़े उद्योग, कारखाने, व्यवसाय, हिसाब-किताब, रुपए तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई है। अभी कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय बदलाव का संकेत दे रहा है। क्या कंप्यूटर आज की जरूरत है? इसका उत्तर है- कंप्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किंतु इसके बिना दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सारी गतिविधियों, परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारू रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन भर में अगर 100 लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह 2000 लोगों के संपर्क में आता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज रातें भी व्यस्त रहती हैं। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं, गतिविधियां बढ़ रही हैं, आकांक्षाएं बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं। इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है। कहते हैं आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूंढ लिया है। कंप्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर रामबाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों करोड़ों

की लंबी-लंबी गणनाए, कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ा कर काम करते थे। एक भूल से घबराकर और अधिक गड़बड़ी करते थे। परिणाम स्वरूप काम कम तनाव अधिक होता था। अब कंप्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है।

1. वर्तमान युग को कंप्यूटर का युग क्यों कहा गया है?
    क) कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव सी हो गई है।
    ख) कंप्यूटर ने पूरे विश्व के लोगों को जोड़ दिया है।
    ग) कंप्यूटर जीवन की अनिवार्य मूलभूत वस्तु बन गया है।
    घ) कंप्यूटर मानव सभ्यता के सभी अंगो का अभिन्न अवयव बन चुका है।
2. गद्यांश के अनुसार कंप्यूटर के महत्व के विषय में कौन सा विकल्प सही है?
    क) कंप्यूटर काम के तनाव को समाप्त करने का उपाय है।
    ख) कंप्यूटर कई मानवीय भूलों को निर्णायक रूप से सुधार देता है।
    ग) कंप्यूटर के आने से सारी हड़बड़ाहट दूर हो गई है।
    घ) मानव की सारी समस्याओं का हल कंप्यूटर से संभव है।
3. गद्यांश के अनुसार किस आवश्यकता ने कंप्यूटर में अपना निदान ढूंढ लिया है?
    क) अनियंत्रित कर्मचारियों को अनुशासित करने में
    ख) अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने में
    ग) अधिक से अधिक लोगों से जुड़ जन जागरण लाने में
    घ) अधिक से अधिक कार्य कभी भी और कहीं भी करने में
4 कंप्यूटर के बिना आज की दुनिया अधूरी क्यों है?
    क) कंप्यूटर ही मानव एकीकरण का आधार है।
    ख) कंप्यूटर ने सारी प्रक्रिया आसान बना दी है।
    ग) कंप्यूटर द्वारा मानव सभ्यता अधिक समर्थ हो गई है।
    घ) क्योंकि सारी व्यवस्था, उपकरण और मशीनें कंप्यूटरीकृत है।
5 निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए उचित शब्द उपरोक्त गद्यांश में से ढूंढ कर लिखें-
    क) निर्णय करने वाला-
    ख) स्वत: अथवा अपने आप चलने वाला-
    ग) किसी नई वस्तु की खोज-
    घ) जिसके बिना काम न चल सके-

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
4.	प्रतिबम्बित/मूल्यांकित	बहुविकल्पीय	कठिन
5.	व्यापक समझ	सार्वभौमिक	औसत

प्रतिमान- 2

पाठ्य पुस्तक - कृतिका भाग -1	कक्षा - 9
प्रकार - निबंध	पाठ का नाम - इस जल प्रलय में
सीखने के प्रतिफल : 905 समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फिल्म साहित्य संबंधी समीक्षा रिपोर्ट को सुनते और पढ़ते हैं। 906 देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्ट मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। 913 अपने आसपास के रोजाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं।	

उपविषय : जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन को समझने से पूर्व यह समझ लेना आवश्यक है कि जलवायु क्या होता है? सामान्यतः जलवायु का आशय किसी दिये गए क्षेत्र में लंबे समय तक औसत मौसम से होता है। अतः जब किसी क्षेत्र विशेष के औसत मौसम में परिवर्तन आता है तो उसे जलवायु परिवर्तन (Climate Change) कहते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारणों का बेहतर विश्लेषण करने के लिये इसे दो भागों में विभाजित कर सकते हैं:-

1. प्राकृतिक कारण
2. मानवीय कारण

प्राकृतिक कारण (गतिविधियाँ)

ज्वालामुखी विस्फोट- ज्वालामुखी विस्फोट होने पर बड़ी मात्रा में विभिन्न गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, जलवाष्प आदि तथा धूलकण वायुमंडल में उत्सर्जित होते हैं, जो

कि वायुमंडल की ऊपरी परत, समतापमंडल में जाकर फैल जाते हैं तथा पृथ्वी पर आने वाले सूर्य प्रकाश की मात्रा घटा देते हैं। जिससे पृथ्वी का तापमान कम हो जाता है।

समुद्री धाराएँ- जलवायु को संतुलित रखने में सागरों का बड़ा योगदान रहता है। पृथ्वी के 71% भाग में समुद्र व्याप्त है, जो कि वातावरण तथा ज़मीन की तुलना में दोगुना सूर्य का प्रकाश का अवशोषण करते हैं। सागरों को कार्बन डाइऑक्साइड का सबसे बड़ा सिंक कहा जाता है। वायुमंडल की अपेक्षा 50 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड गैस समुद्र में होती है। समुद्री बहाव में बदलाव आने से जलवायु प्रभावित होती है।

मानवीय कारण (गतिविधियाँ)

शहरीकरण- उन्नीसवीं सदी में हुई औद्योगिक क्रांति की ओर सभी का ध्यान आकर्षित हुआ। मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई जैसे महानगरों में उनकी क्षमता से कई गुना अधिक आबादी निवास कर रही है, जिससे शहरों के संसाधनों का असीमित दोहन हो रहा है। जैसे-जैसे शहर बढ़ रहे हैं, वहाँ पर उपलब्ध भू-भाग दिन-प्रतिदिन ऊँची-ऊँची इमारतों से ढँकता जा रहा है, जिससे उस स्थान की जल संवर्धन क्षमता कम हो रही है तथा बारिश के पानी से प्राप्त होने वाली शीतलता में भी कमी हो रही है, जिससे वहाँ के पर्यावरण तथा जलवायु पर निरंतर प्रभाव पड़ रहा है।

औद्योगिकीकरण- जलवायु परिवर्तन में औद्योगिकीकरण की बड़ी भूमिका है। विभिन्न प्रकार की मिलें वातावरण में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड तथा अनेक प्रकार की अन्य ज़हरीली गैसें और धूलकण हवा में छोड़ती हैं, जो वायुमंडल में काफी वर्षों तक विद्यमान रहती है। यह ग्रीन हाउस प्रभाव, ओज़ोन परत का क्षरण तथा भूमंडलीय तापमान में वृद्धि जैसी समस्याओं का कारण बनते हैं। वायु, जल एवं भूमि प्रदूषण भी औद्योगिकीकरण की ही देन हैं। निरंतर बढ़ती हुई आबादी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये वृक्ष काटे जा रहे हैं। आवास, खेती, लकड़ी और अन्य वन संसाधनों की चाह में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जिससे पृथ्वी का हरित क्षेत्र तेजी से घट रहा है और साथ ही जलवायु के परिवर्तन में तेजी आ रही है।

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना का शुभारंभ वर्ष 2008 में किया गया था। इसका उद्देश्य जनता के प्रतिनिधियों, सरकार की विभिन्न एजेंसियों, वैज्ञानिकों, उद्योग और समुदायों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे और इससे मुकाबला करने के उपायों के बारे में जागरूक करना है। इस कार्ययोजना में मुख्य 6 मिशन शामिल हैं-

राष्ट्रीय सौर मिशन

विकसित ऊर्जा दक्षता के लिये राष्ट्रीय मिशन

सुस्थिर निवास पर राष्ट्रीय मिशन

राष्ट्रीय जल मिशन

सुस्थिर हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र हेतु राष्ट्रीय मिशन

हरित भारत हेतु राष्ट्रीय मिशन

प्रश्न 1. जलवायु और जलवायु परिवर्तन से आप क्या समझते हैं?

_____

_____

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति करो-

i. वायुमंडल की अपेक्षा _____ गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड गैस समुद्र में होती है।

ii. वनों की अंधाधुंध कटाई से पृथ्वी का _____ क्षेत्र तेजी से घट रहा है।

प्रश्न 3. महानगरों में जल संवर्धन की क्षमता निरंतर कम हो रही है। निम्नलिखित में से उपयुक्त

उत्तर का चयन करें-

i. अधिक आबादी का होना

ii. संसाधनों का असीमित दोहन

iii. उपलब्ध भूभाग का दिन प्रतिदिन ऊंची इमारतों से ढँका जाना

iv. उपरोक्त सभी

प्रश्न 4. गद्यांश में दिए गए जलवायु परिवर्तन के कारणों में से किस कारण को आप सबसे अधिक उत्तरदायी मानते हैं और क्यों?

_____

_____

_____

प्रश्न 5. यदि महासागरों द्वारा अवशोषित ऊर्जा की मात्रा 2500 किलो जूल है तो उस समय भूमि द्वारा अवशोषित ऊर्जा की मात्रा क्या है ?

_____

_____

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3.	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4.	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5.	विश्लेष्ण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला

प्रतिमान - 1

1.	Full Credit	क) कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव सी हो गई है।
	No Credit	अन्य विकल्प
2.	Full Credit	ख) कंप्यूटर कई मानवीय भूलों को निर्णायक रूप से सुधार देता है।
	No Credit	अन्य विकल्प
3.	Full Credit	ख) अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने में
	No Credit	अन्य विकल्प
4.	Full Credit	घ) क्योंकि सारी व्यवस्था, उपकरण और मशीनें कंप्यूटरीकृत है।
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	निर्णायक, स्वचालित, अविष्कार, अनिवार्य

प्रतिमान - 2

1.	Full Credit	जलवायु का आशय किसी दिये गए क्षेत्र में लंबे समय तक औसत मौसम से होता है। जब किसी क्षेत्र विशेष के औसत मौसम में परिवर्तन आता है तो उसे जलवायु परिवर्तन कहते हैं।
	Partial Credit	कोई एक सही उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
2.	Full Credit	50 गुना, हरित क्षेत्र

	partial Credit	कोई एक सही उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
3.	Full Credit	iv. उपरोक्त सभी
	Partial Credit	कोई एक सही उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
4.	Full Credit	मानवीय कारण (गतिविधियाँ)/प्राकृतिक कारण(गतिविधियाँ), तर्क संगत उत्तर मान्य
	partial Credit	विद्यार्थी द्वारा दिया गया अन्य उचित उत्तर मान्य
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
5.	Full Credit	1250 किलो जूल
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर